अपने और बैंक के हितधारकों के हितों की रक्षा के लिए निर्धारित नियमों, विनियमों, मानदंडों और प्रणालियों एवं प्रक्रियाओं के अनुपालन से युक्त स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक कर्मचारी जवाबदेही नीति तैयार की है। कर्मचारियों को अपने वास्तविक कार्यों के लिए सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उनके द्वारा किए गए किसी भी गलत काम या न किए गए काम के लिए उन्हें जवाबदेह बनाना कर्मचारी जवाबदेही नीति का उद्देश्य है। इसे वित्तीय सेवाएँ विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी कर्मचारी जवाबदेही संरचना के अनुरूप बनाने के लिए, बाद में इस नीति की समीक्षा भी की गई। आपके बैंक का सदाचार एवं व्यवसाय आचरण विभाग यहीं पर नहीं रुकता है। इस विभाग की यात्रा चिरस्थायी है और वह विभिन्न प्रयासों के जरिए उच्चतम स्तर का सदाचार दिखाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

9. कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व

सीएसआर उन गतिविधियों में से एक है, जिसके माध्यम से आपका बैंक एक जिम्मेदार कॉरपोरेट नागरिक की भूमिका निभाता है। एसबीआई में सीएसआर का उद्देश्य सामाजिक विकास के लिए राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को लागू करने के लिए आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक उद्देश्यों को एकीकृत करना है। बैंक में सीएसआर नीति का उद्देश्य ऐसी गतिविधियों में भाग लेना है, जो सामुदायिक विकास, सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरणीय स्थिरता को लाभ पहुंचाती हैं, ताकि समाज के सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित वर्गों तक पहुंच बनाई जा सके।

अधिकांश सीएसआर गतिविधियां ग्रामीण और शहरी मलिन बस्तियों में की जाती हैं, जहां दलित लोग रहते हैं और उन्हें चिकित्सा, शिक्षा, आहार, आश्रय आदि के रूप में सहायता की आवश्यकता होती है।

अंशदान जाति, पंथ, धर्म और क्षेत्र के आधार पर नहीं किए जाते हैं। समाज के उन वंचित वर्गों को दान दिया जाता है, जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और उन्हें अपने भरण-पोषण के लिए दानदाताओं की सहायता की आवश्यकता होती है। बैंक के लाभार्थियों में समाज के सभी वर्गों के जरूरतमंद लोग शामिल होते हैं। आपका बैंक उन गैर-सरकारी संगठनों/ट्रस्टों की सहायता करता है, जो समाज के इन वर्गों के उत्थान के लिए काम करते हैं। इसका लक्ष्य समाज के विशेष रूप से कम भाग्यशाली और वंचित सदस्यों के सामाजिक-आर्थिक उन्नति में सुधार लाना है और उन्हें अपनी क्षमता तक जीने में सक्षम बनाता है।

2021-22 के दौरान सीएसआर व्यय

1	वित्त वर्ष 2021-22 के लिए कुल सीएसआर बजट	रु. 204.10 करोड़
2	एबीआई फाउंडेशन के लिए आबंटन	रु. 102.56 करोड़
3	मंडल /विभागों के माध्यम से किए गए सीएसआर व्यय	रु. 101.54 करोड़

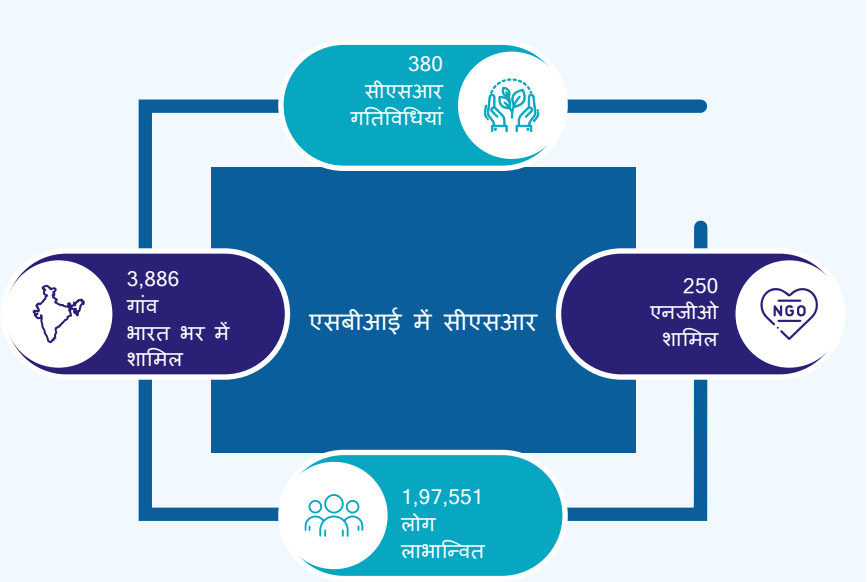

बैंक की क्षेत्र-वार सीएसआर व्यय *

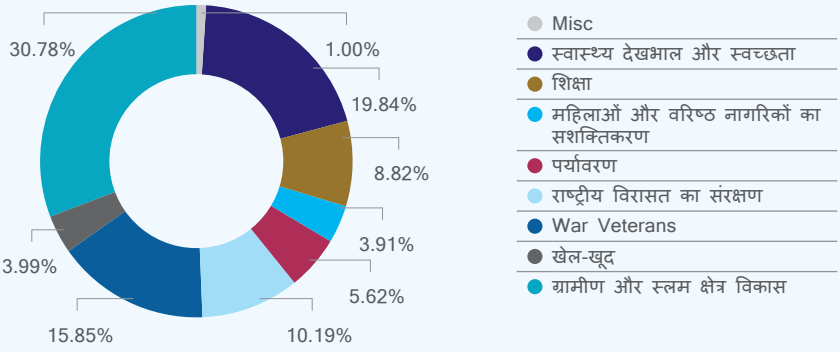

एसबीआई फाउंडेशन को छोड़कर मंडलों/विभागों के माध्यम से किए गए सीएसआर व्यय*

कोविड के विरूद्ध बैंक का संघर्ष

आपके बैंक ने एसबीआई फाउंडेशन के माध्यम से कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में विभिन्न गतिविधियां शुरू की हैं। इसके लिए एसबीआई फाउंडेशन द्वारा 71 करोड़ रुपए की राशि आबंटित की गई। इस पहल में शामिल हैं:

अल्पावधि सहायता:

- भोजन और राशन किट, स्वास्थ्य उपकरण जैसे पीपीई, मास्क, ऑक्सीमीटर आदि का वितरण
- जागरूकता बढ़ाना
- टीकाकरण अभियान
- कोविड केयर सेंटर बनाना

परिचालनगत मध्यावधि सहायता:

- ऑक्सीजन संयंत्रों की स्थापना
- स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे का उन्नयन
- मोबाइल और सामुदायिक परीक्षण आदि

नवोन्मेषी दीर्घावधि सहायताः

- जीनोम अनुक्रमण
- स्वास्थ्य कर्मियों की क्षमता का निर्माण
- स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए स्वास्थ्य देखभाल समाधान और प्रौद्योगिकी, आदि

महिला सशक्तिकरण गतिविधियों को सहायता :

- एक छत के नीचे निजी और सार्वजनिक दोनों जगहों पर हिंसा से प्रभावित महिलाओं और बच्चों को एकीकृत सहायता और सहायता प्रदान करने के लिए करीमनगर, तेलंगाना में भरोसा केंद्र की स्थापना।
- स्वस्थ, स्वच्छ और प्रभावी तरीके से मासिक धर्म से निपटने के लिए दिल्ली के स्लम क्षेत्रों की मासिक धर्म वाली महिलाओं और लड़कियों को जागरूक बनाने के लिए सच्ची सहेली, नई दिल्ली की सहायता की गई।
- सिलाई मशीनों और अन्य सिलाई उपकरणों की खरीद के लिए समाज शक्ति सोसाइटी, त्रिपुरा की सहायता की गई।
- सिल्वर लाइनिंग सोसाइटी, नई दिल्ली को बुनियादी ढांचे की खरीद के लिए सहायता प्रदान की गई, जिससे उनके गैर-सरकारी संगठन में रहने और शिक्षित होने वाली दृष्टिहीन बालिका लाभार्थियों को प्रदान की जाने वाली सेवा की गुणवत्ता बढ़ाने में मदद मिलेगी।
- हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के धर्मशाला, रैत और नगरोटा प्रखंडों में गरीब महिलाओं और अधिकांश वंचित परिवारों के बच्चों को पोषण किट और चिकित्सा सामग्री प्रदान की।

स्वास्थ्य देखभाल के लिए सहायताः

- धन्वंतरी चैरिटेबल हॉस्पिटल-बेंगलुरु, शनुखप्रिया ट्रस्ट-मुंबई, शणमुखानंद ट्रस्ट-मुंबई, प्रशांति मेडिकल सर्विसेज और रिसर्च फाउंडेशन-अहमदाबाद जैसे विभिन्न ट्रस्टों को उनके द्वारा संचालित अस्पताल/स्वास्थ्य केंद्रों के लिए आवश्यक विभिन्न चिकित्सा उपकरणों की खरीद में सहायता प्रदान की गई।
- चिकित्सा उपकरणों की खरीद के लिए गोवेल ट्रस्ट, चेन्नई की सहायता। गोवेल ट्रस्ट अरविंद आई हॉस्पिटल का संचालन करता है, जो बड़े परिमाण में, उच्च गुणवत्तायुक्त और कम खर्च में आंखों की देखभाल की सुविधा प्रदान करता है।
- स्पर्श धर्मशाला, प्रशामक देखभाल केंद्र, हैदराबाद की सहायता। अंशदान का उपयोग उन कैंसर रोगियों के उपशामक देखभाल के लिए किया जाता है, जिनके इलाज के लिए उपचार अब प्रभावी नहीं है।
- आपके बैंक ने विभिन्न ट्रस्ट अस्पतालों को एंबुलेंस दान में देकर, ऑपरेशन थियेटर की स्थापना कर, आईसीयू कमरे, चिकित्सा उपकरण आदि दान करके सहायता की है।

शिक्षा में सहायताः

- टाटा स्टील फाउंडेशन - मुंबई को उडिशा और झारखंड के दूरस्थ एवं आदिवासी क्षेत्रों के बच्चों के लिए डिजिटल आधारित कक्षाओं की स्थापना में सहायता प्रदान की।
- "विद्याकिरणम" योजना के तहत तिरुवनंतपुरम के जरूरतमंद छात्रों को दान दिया गया।
- मोबाइल विज्ञान और गणित- प्रयोगशाला के निर्माण में मातृभान सोसाइटी, भुवनेश्वर की सहायता की गई।
- उत्तर प्रदेश के विभिन्न कस्तूरबा स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम स्थापित करने के लिए सहायता दी गई।
- उपर्युक्त के अलावा, आपके बैंक ने वाहन, कंप्यूटर, स्कूल के बुनियादी ढांचे आदि के लिए दान सहित कई अन्य गतिविधियां भी की हैं।

स्वच्छ भारत, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता

- खुर्दा जिला, उड़ीसा की 27 ग्राम पंचायतों में हाई मास्ट सोलर लाइटों की खरीद और स्थापना के लिए सहायता प्रदान की गई।
- नल्लामला के घने जंगल (नागार्जुन सागर श्रीशैलम टाइगर रिजर्व) में वन्यजीवों को पानी उपलब्ध कराने के लिए सौर ऊर्जा आधारित डीप-वेल पंपिंग सिस्टम स्थापित करने हेतु वर्ल्ड वाइल्ड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ), हैदराबाद की सहायता की गई।
- उपरोक्त के अलावा, आपके बैंक ने कई अन्य गतिविधियाँ भी की हैं, जिनमें सौर ऊर्जा इकाइयों की स्थापना आदि शामिल हैं।

विकलांग व्यक्तियों के लिए कल्याणकारी गतिविधियाँ

लक्ष्य साधना सोसाइटी, हैदराबाद, राजस्थान महिला कल्याण मंडल, अजमेर, आस्था-दिल्ली, हेल्पर्स ऑफ हैंडिकैप्ड-कोल्हापुर, असिस्टेड लिविंग फॉर ऑटिस्टिक एडल्ट्स (एएलएफएए)-बेंगलुरु आदि जैसे विभिन्न संगठनों के माध्यम से विकलांग व्यक्तियों के उत्थान के लिए विभिन्न पहल की गई हैं।

जनजाति कल्याण

आपके बैंक ने नेदान (NEDAN) फाउंडेशन, कोकराझार, बुद्धिस्ट कल्चर सोसायटी, ईटानगर आदि जैसी संस्थाओं के माध्यम से जनजातीय लोगों के कल्याण के लिए विभिन्न उपाय किए हैं।

पशु कल्याण

आपके बैंक ने विभिन्न प्राणी उद्यानों और पशु आश्रयों के माध्यम से एक वर्ष के लिए बाघों और अन्य लुप्तप्राय जानवरों को उनके कल्याण के लिए दत्तक लिया है।

खेलों और खिलाड़ियों की सहायता:

खेल और फिटनेस उपकरणों की खरीद के लिए इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स, बेंगलुरु की सहायता की गई। विकलांग खिलाड़ियों के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए व्हीलचेयर खरीदने हेतु "प्रोजेक्ट मुंबई" को दान दिया गया, ताकि वे व्हीलचेयर बास्केटबॉल प्रतियोगिताओं में भाग ले सकें।

कर्मचारी स्वयंसेवी - एसबीआई बाल कल्याण कोष:

"सेवा घर से ही आरंभ होता है" की अवधारणा के साथ आपके बैंक ने वर्ष 1983 में एसबीआई चिल्ड्रन वेलफेयर फंड नामक ट्रस्ट की स्थापना की, जो स्टाफ-सदस्यों की एक पहल है। इस ट्रस्ट को वंचित और अनाथ बच्चों की बेहतरी के लिए बैंक के कर्मचारियों के स्वैच्छिक योगदान से बनाया गया। इस निधि के कोष से अर्जित ब्याज का उपयोग वंचित बच्चों जैसे कि अनाथ, विकलांग, जरूरतमंद और वंचित आदि के कल्याण से जुड़े संस्थानों को अनुदान देने के लिए किया जाता है।

झ. एसबीआई में निरंतरता

"निरंतरता" को बैंक के प्रमुख मूल्यों में से एक के रूप में चिन्हित किया गया है। आपका बैंक बहुआयामीदृष्टिकोण के जरिए कार्यनीतिक निर्णय लेने में सामाजिक व पर्यावरणीय जोखिमों के प्रबंधन और नवोन्मेषी उत्पादों एवं सेवाओं के विकास के मामले में निरंतरता के मोर्चे पर कार्य कर रहा है। बैंक ने समग्र निरंतरता लक्ष्य की निगरानी करने का कार्य उप प्रबंध निदेशक (मानव संसाधन) एवं कॉरपोरेट विकास अधिकारी को सौंपा है।

औपचारिक तरीके से बैंक में निरंतरता की प्रथाओं को बढ़ाने के लिए, बोर्ड द्वारा अनुमोदित "निरंतरता एवं व्यसाय उत्तरदायित्व (बीआर) नीति" लागू की गई है। ग्लोबल रिपोर्टिंग इनीशिएटिव (जीआरआई) संरचना के अनुसार संवहनीयता रिपोर्ट हर वर्ष प्रकाशित की जा रही है। सूचीबद्ध संस्थाओं

द्वारा ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और अभिशासन) मापदंडों पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए, आपका बैंक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा जारी किए गए नए निर्देशों के मद्देनजर "व्यवसाय उत्तरदायित्व और निरंतरता रिपोर्ट (बीआरएसआर)" ढांचे को अपनाने का भी प्रयास कर रहा है।

आपके बैंक की निरंतरता पहल

आपके बैंक का प्रयास बहु-वांछित सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए निरंतरता पहलों को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप करने का रहा है। अन्य बातों के साथ-साथ पहले ही शुरू की गई और विचाराधीन कुछ प्रमुख पहलों में ये भी शामिल हैं:

कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के रूप में जलवायु परिवर्तन के विषयों को स्वीकार करते हुए, बैंक ने चरणबद्ध तरीके से वर्ष 2030 तक कार्बन न्यूट्रल संगठन का दर्जा प्राप्त करने के उद्देश्य से कार्बन तटस्थता कार्यनीति तैयार की है। बैंक के स्वामित्व वाले परिसर में सौर प्रणाली की स्थापना, बैंक के परिसर में ऊर्जा बचाने वाली प्रकाश व्यवस्था और वातानुकूलन प्रणाली की स्थापना निरंतर आधार पर की जा रही है। कैप्टिव उपयोग के लिए बैंक की अपनी पवन चक्कियां भी हैं, जिनकी कुल क्षमता 15 मेगावाट है।

नए उत्पादों से जलवायु संरक्षण के कार्य में सहायता मिलेगी और ई-रिक्शा ऋण, ग्रीन कार ऋण आदि जैसे विशेष ऋण उत्पाद पहले ही शुरू किए गए हैं। "सूर्य शक्ति-सौर वित्त", "जैव-ईंधन परियोजनाओं के लिए वित्त" जैसे नए ऋण उत्पाद उपलब्ध कराए गए हैं। आज दुनिया के समक्ष विद्यमान महत्वपूर्ण जोखिमों में से जलवायु परिवर्तन को एक महत्वपूर्ण जोखिम मानते हुए, बैंक ने जलवायु परिवर्तन से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अपनी जलवायु परिवर्तन जोखिम प्रबंधन नीति तैयार की है।

अक्षय ऊर्जा (आरई) बिजली उत्पादन को बढ़ाने के देश के लक्ष्य के अनुरूप, आपका बैंक भी बड़े पैमाने पर आरई वित्तपोषण की सुविधा प्रदान कर रहा है। बैंक ने आरई पावर डेवलपर्स को आगे उधार देने के लिए बहुपक्षीय विश्व बैंक, केएफडब्ल्यू जर्मन डेवलपमेंट बैंक आदि जैसी एजेंसियों से ऋण व्यवस्था की है। वित्त वर्ष 2021-22 में इंडिया इंटरनेशनल एक्सचेंज और लक्ज़मबर्ग स्टॉक एक्सचेंज दोनों में एसबीआई के 650 मिलियन अमरिकी डालर के ग्रीन बॉन्ड की लिस्टिंग हुई।

आपके बैंक के कार्यालय, शाखाएं और अन्य संस्थापनाएँ हरित पारिस्थितिकी तंत्र अपनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। अभी तक, बैंक के अठारह (18) परिसरों को इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) द्वारा विभिन्न श्रेणियों (प्लैटिनम/गोल्ड/सिल्वर) के अंतर्गत प्रमाणित किया गया है। बैंक के लगभग 500 परिसरों में अब सौर ऊर्जा स्थापित है और 3000 से अधिक एटीएम सौर ऊर्जा से संचालित हैं। इसके अतिरिक्त, बैंक के विभिन्न परिसरों में कुल 326 वर्षा जल संचयन स्थल बनाए गए हैं। बैंक अपने बड़ी-बड़ी संस्थापनाओं की बिजली आवश्यकताओं को मौजूदा जीवाश्म ईंधन से हरित स्रोतों में बदलने का भी प्रयास कर रहा है। इस पहल के तहत, बैंक के दो प्रमुख कार्यालय यथा मुंबई के कॉरपोरेट कार्यालय भवन और मुंबई मेट्रो स्थानीय प्रधान कार्यालय को सफलतापूर्वक हरित ऊर्जा प्लेटफार्म पर रूपांतरित किया गया है। कचरे के प्रभावी प्रबंधन के लिए बैंक में इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट (ई-अपशिष्ट) प्रबंधन नीति भी मौजूद है।

वित्त वर्ष 2022 के दौरान आपके बैंक द्वारा देश भर में छह लाख से अधिक वृक्ष लगाए गए।

आपके बैंक ने अपनी डिजिटल कार्यनीति को अपनी समग्र व्यवसाय कार्यनीति के साथ एकीकृत करके बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण किया है। उन्नत डिजिटलीकरण से न केवल व्यापार में अधिक सरलता आएगी, बल्कि इससे ग्रह, जनता और लाभ की ट्रिपल बॉटम लाइन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करके निरंतरता के कार्य भी मजबूत होगा। व्यापार संचालन को सुविधाजनक बनाने और ग्राहक-अनुभव को समृद्ध करने के अलावा, बैंक के प्रमुख डिजिटल एप योनो के कारण कागज का उपयोग बहुत कम हुआ है। यह अनुमान है कि योनो ऐप के माध्यम से खोले गए पूर्व-अनुमोदित वैयक्तिक ऋण (पीएपीएल) खातों के परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान लगभग 383 लाख शीट कागज की बचत हुई है। इसके अलावा, बैंक के डिजिटल चैनल ग्राहकों को प्रोत्साहित करने के लिए, बैंक ग्रीन रिवार्ड पॉइंट्स की पेशकश कर रहा है, जिसे एसबीआई ग्रीन फंड में क्रेडिट के लिए भुनाया जा सकता है और जिससे प्राप्त राशि का उपयोग वृक्षारोपण, जल संचयन इकाइयों की स्थापना, बायो- शौचालय, कोविड देखभाल गतिविधियाँ आदि जैसी निरंतरता गतिविधियों में किया जाएगा।

वर्तमान वित्त वर्ष के दौरान आपके बैंक ने विश्व पर्यावरण दिवस, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, विश्व मृदा दिवस एवं अर्थ आवर जैसे निरंतरता से संबद्ध विभिन्न दिवसों का आयोजन किया। इसके अलावा, पूरे बैंक में "जॉय ऑफ गिविंग वीक-दान उत्सव" मनाया गया, जिसके माध्यम से समाज के हाशिए के वर्गों के लिए दान गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसके अलावा, कर्मचारियों के साथ सकारात्मक रूप से जुड़ने के इरादे से, ईएसजी और एसडीजी संबंधी मामलों पर उन्हें निरंतर जागरूक रखने के लिए एक ऑनलाइन प्रश्नोतरी शुरू की गई। इसके अतिरिक्त, युवा कर्मचारियों के लिए उपयुक्त रूप से तैयार किए गए "सामर्थ्य" नामक अभिनव एंगेजमेंट कार्यक्रम भी प्रारंभ शुरू किया गया, जिसमें भूमिका और कर्तव्यों के सफल निर्वहन में नैतिक और पेशेवर मानकों के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

उपर्युक्त के अलावा, बैंक ने वित्तीय साक्षरता प्रदान कर, वित्तीय समावेशन को विस्तारित कर एवं मानव पूंजी के बेहतर प्रबंधन द्वारा सामुदायिक विकास की दिशा में अनेक पहल कर रहा है।

V. अनुषंगियाँ

एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (एसबीआईकैप्स)

(रुपए करोड़ में)

अनुषंगी कंपनी का नाम	स्वामित्व (एसबीआई हित)	स्वामित्व %	मार्च 2022 के लिए शुद्ध लाभ/ (हानि)
एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड	58.03	100%	620.10

आपके बैंक की 100% स्वामित्व की अनुषंगी एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (एसबीआईकैप्स) भारत का अग्रणी देशीय निवेश बैंकर है, जो श्रेणी-1 के मर्चेंट बैंकर एवं रिसर्च एनलिस्ट के रूप में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ पंजीबद्ध है। वर्ष 1986 में स्थापित एसबीआईकैप्स अपने ग्राहकों को निवेश बैंकिंग एवं कॉरपोरेट परामर्शी सेवाओं से जुड़ी सभी प्रकार की सेवाएँ देता है। इन सेवाओं में परियोजना परामर्शन, ऋण सिंडिकेशन, संरचित ऋण नियोजन, विलय और अधिग्रहण, निजी ईक्विटी, पुनर्रचना परामर्शन, तनावग्रस्त आस्ति समाधान, आईपीओ, एफपीओ, अधिकार निर्गम, ऋण एवं हाइब्रिड पूंजी जुटाना शामिल हैं। एसबीआईकैप्स सरकार की परिसंपत्ति मुद्रीकरण योजना के अनुरूप रियल एस्टेट इनवेस्टमेंट ट्रस्ट (आरईआईटी) और इन्फ्रास्ट्रक्चर इनवेस्टमेंट ट्रस्ट (आईएनवीआईटी) जैसे नए उत्पादों के माध्यम से निधियाँ जुटाने में भी शामिल है। एसबीआईकैप्स जिसका मुख्यालय मुंबई में है, के देश भर में 5 क्षेत्रीय कार्यालय (अहमदाबाद, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता एवं नई दिल्ली) तथा 4 पूर्ण-स्वामित्व की अनुषंगियाँ यथा एसबीआईकैप सिक्युरिटीज लिमिटेड, एसबीआईकैप वेंचर्स लिमिटेड, एसबीआईकैप